भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2146

जिसका उत्तर 12 मार्च, 2025 को दिया जाना है ।

21 फाल्गुन, 1946 (शक)

भारत सेमीकंडक्टर मिशन

2146.श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:
श्रीमती शांभवी:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
श्री नरेश गणपत म्हस्के:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के उद्देश्य और प्रमुख घटक क्या है;
(ख) क्या सरकार ने 7,600 करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर परियोजना के लिए सीजी पावर और सीजी एस.ई.एम.आई.के साथ वित्तीय सहायता समझौता (एफएसए) किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा सीजी ओएसएटी परियोजना के लिए अब तक प्रदान की गई वित्तीय और गैर-वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;
(घ) उक्त परियोजना के पूरा किए जाने और शुरू किए जाने के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है; और
(ङ) सरकार द्वारा आईएसएम के अंतर्गत स्वदेशी सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ङ): सरकारनेदेशमेंसेमीकंडक्टरऔरडिस्प्लेविनिर्माणपारिस्थितिकीतंत्रकेविकासकेलिए 76,000 करोड़रुपयेकेकुलपरिव्ययकेसाथसेमीकॉनइंडियाकार्यक्रमकोमंजूरीदीहै, जोउपलब्ध कराताहै:

i. भारतमेंसिलिकॉनकॉम्प्लीमेंटरी मेटल-ऑक्साइड-सेमीकंडक्टर (सीएमओएस) आधारितसेमीकंडक्टरफैब्सकीस्थापनाकेलिए *समरूपआधार*परपरियोजनालागतके 50% कीराजकोषीयसहायता।
ii. भारतमेंडिस्प्लेफैब्सकीस्थापनाकेलिए *समरूपआधार*परपरियोजनालागतके 50% कीराजकोषीयसहायता।
iii. भारतमेंकंपाउंडसेमीकंडक्टर/सिलिकॉनफोटोनिक्स (एसआईपीएच)/सेंसर (माइक्रो-इलेक्ट्रो-मैकेनिकलसिस्टमसहित), फैब/डिस्क्रीटसेमीकंडक्टरफैबऔरसेमीकंडक्टरअसेंबली, टेस्टिंग, मार्किंगऔरपैकेजिंग (एटीएमपी)/आउटसोर्ससेमीकंडक्टरअसेंबलीऔरटेस्ट (ओएसएटी) सुविधाओंकीस्थापनाकेलिए *समरूप*आधारपरपूंजीगतव्ययके 50% काराजकोषीयसमर्थन।
iv. उत्पादडिजाइनप्रतिआवेदन ₹15 करोड़कीउच्चतमसीमाकेअध्यधीनपात्रव्ययके 50% तककाप्रोत्साहनऔरचिपडिजाइनकोप्रोत्साहितकरनेकेलिएप्रतिआवेदन ₹30 करोड़कीउच्चतमसीमाकेअध्यधीन 5 वर्षोंमेंनिवलबिक्रीकारोबारके 6% से 4% का "परिनियोजनलिंक्डप्रोत्साहन" भी।

सरकारनेदक्षताऔरचक्रसमयबढ़ानेकेलिएसेमी-कंडक्टरप्रयोगशाला, मोहालीकेआधुनिकीकरणकोभीमंजूरीदीहै।

इसकेअलावा,
सेमीकंडक्टरविनिर्माणकोसुदृढ़करनेऔरदेशमेंसेमीकंडक्टरपारिस्थितिकीतंत्रकासृजनकरनेकेलिएसरकारनेयूएसए, यूरोपीयसंघ, जापानऔरसिंगापुरकेसाथसमझौताज्ञापन (एमओयू) परहस्ताक्षरकिएहैं। इसकेअतिरिक्त, इंडियासेमीकंडक्टरमिशननेआईबीएम, लैमरिसर्चऔरपर्ड्यूविश्वविद्यालयकेसाथसमझौताज्ञापनपर हस्ताक्षर किए हैं।

(ख) से (घ): सेमीकॉनइंडियाकार्यक्रमकेतहत, सरकारनेलगभग 1,52,000 करोड़रुपयेकेसंचयीनिवेशकेसाथपांच (5) सेमीकंडक्टरविनिर्माणपरियोजनाओंकोमंजूरीदीहै। इसमेंप्रतिदिनलगभग 15.07 मिलियनयूनिटकी उत्पादन क्षमता के साथ 7,584 करोड़रुपयेकेनिवेशकेसाथगुजरातकेसाणंदमेंसीजीपावरएंडइंडस्ट्रियलसॉल्यूशंसलिमिटेडकाएकआउटसोर्ससेमीकंडक्टरअसेंबलीएंडटेस्ट (ओसैट) सुविधास्थापितकरनेकाप्रस्तावशामिलहै। इससुविधासेवित्तवर्ष 2026-27 कीतीसरीतिमाहीतकवाणिज्यिकपरिचालनशुरूहोनेकीउम्मीदहै।

.******